

CPC, 1908

PART 03

सिविल प्रक्रिया संहिता

**The Code of
Civil Procedure**

Preliminary प्रारम्भिक



#Judiciary

By Poonam Sha



WELCOME **UMMEED** **CLASSES**

**Like Video and Subscribe
our channel**

Join us:



9269100222



UMMEED CLASSES



#Hinglish

By Poonam Ma'am

The Code of Civil Procedure, 1908 सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908

1. Act no. 5 of 1908
2. Enactment – 21st March, 1908
3. Came into force on - 1st January 1909
4. Subjects of concurrent list- Entry 13

प्रवर्तन

Total :

Parts : 11
Sections: 158
Appendix: A-H

Schedule: 5
Orders: 51

Sch. 7
List III

Sch. I

2-5
Sch.
निरक्षित

Parts

Parts	Particulars	Sections
✗	Preliminary प्रारम्भिक	1-8
I	Suits in General साधारणतः वादों के विषय में	9-35B
II	Execution निष्पादन	36-74
III	Incidental Proceedings आनुषंगिक कार्यवाहियाँ	75-78
IV	Suits in Particular cases विशिष्ट मामलों में वाद	79-88
V	Special Proceedings विशेष कार्यवाहियाँ	89-93
VI	Supplemental Proceedings अनुपूरक कार्यवाहियाँ	94-95



Parts	Particulars	Sections
VII	Appeals अपील	96-112
VIII	Reference, Review and Revision निर्देश, पुनर्विलोकन और पुनरीक्षण	113-115
IX	Special Provisions relating to the High Court not being the court of a Judicial Commissioner ऐसे उच्च न्यायालयों के संबंध में विशेष उपबंध जो न्यायिक आयुक्त के न्यायालय नहीं हैं।	116-120
X	Rules नियम	121-131
XI	Miscellaneous प्रकीर्ण	132-158

PRELIMINARY प्रारम्भिक

2-1-8

1. ✓ Short title, commencement and extent
संक्षिप्त नाम, प्रारम्भ और विस्तार ✓
2. Definitions परिभाषाएँ ✓
3. Subordination of Courts न्यायालयों की अधीनस्थता.
4. Savings व्यावृत्तियाँ. ✓
5. Application of the Code to Revenue Courts
संहिता का राजस्व न्यायालयों को लागू होना
6. Pecuniary jurisdiction धन-संबंधी अधिकारिता
7. Provincial Small Cause Courts. प्रान्तीय लघुवाद न्यायालय
8. Presidency Small Cause Courts प्रेसिडेन्सी लघुवाद न्यायालय

PRELIMINARY प्रारम्भिक

Section 1: Short title, commencement and extent.

संक्षिप्त नाम, प्रारम्भ और विस्तार –

- (1) This Act may be cited as the Code of Civil Procedure, 1908.
इस अधिनियम का संक्षिप्त नाम सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 है।
- (2) It shall come into force on the first day of January, 1909.
यह सन् 1909 की जनवरी के प्रथम दिन को प्रवृत्त होगा।
- (3) It extends to the whole of india except- the State of Nagaland and the tribal areas
इसका विस्तार नागालैण्ड राज्य और जनजाति क्षेत्रों, के सिवाय सम्पूर्ण भारत पर है

J & K. Reorganisation 2019. (31.10.19)

PRELIMINARY प्रारम्भिक

Section 1:

Provided that the State Government concerned may, by notification in the official Gazette, extend the provisions of this Code or any of them to the whole or part of the State of Nagaland or such tribal areas, as the case may be, with such supplemental, incidental or consequential modifications as may be specified in the notification.

परन्तु संबंधित राज्य सरकार, राजपत्र में अधिसूचना द्वारा, इस संहिता के उपबंधों का या उनमें से किसी का विस्तार, यथास्थिति, सम्पूर्ण नागालैण्ड राज्य या ऐसे जनजाति क्षेत्रों या उनके किसी भाग पर ऐसे अनुपूरक, आनुषंगिक या पारिणामिक उपान्तरों सहित कर सकेगी जो अधिसूचना में विनिर्दिष्ट किए जाएँ।

Explanation- In this clause, "tribal areas" means the territories which, immediately before the 21st day of January, 1972, were included in the tribal areas of Assam as referred to in paragraph 20 of the Sixth Schedule to the Constitution.

स्पष्टीकरण- इस खण्ड में, "जनजाति क्षेत्र" से वे राज्यक्षेत्र अभिप्रेत हैं जो 21 जनवरी, 1972 के ठीक पहले संविधान की छठी अनुसूची के पैरा 20 में यथानिर्दिष्ट असम के जनजाति क्षेत्र में सम्मिलित थे।

(4) In relation to the Amindivi islands, and the East Godavari, West Godavari and Visakhapatnam Agencies in the State of Andhra Pradesh and the Union territory of Lakshadweep, the application of this Code shall be without prejudice to the application of any rule or regulation for the time being in force in such Islands, Agencies or such Union territory, as the case may be, relating to the application of this Code.] अमीनदीवी द्वीपसमूह और आन्ध्र प्रदेश राज्य में पूर्वी गोदावरी, पश्चिमी गोदावरी और विशाखापत्तनम् अभिकरणों और लक्षद्वीप संघ राज्यक्षेत्र के सम्बन्ध में, इस संहिता के लागू होने का कोई प्रतिकूल प्रभाव, यथास्थिति, ऐसे द्वीपसमूह, अभिकरणों या ऐसे संघ राज्यक्षेत्र में इस संहिता के लागू होने के सम्बन्ध में तत्समय प्रवृत्त किसी नियम या विनियम के लागू होने पर नहीं पड़ेगा ।]

Sec. 2 Definitions परिभाषाएँ

- | | |
|---|--|
| (1) Code संहिता | 7) Government Pleader सरकारी प्लीडर |
| (2) Decree डिक्री | 8) Judge न्यायाधीश |
| (3) Decree holder डिक्रीदार | 9) Judgment (निर्णय) |
| (4) District जिला | 10) Judgment debtor निर्णित ऋणी |
| (5) Foreign Court विदेशी न्यायालय | |
| (6) Foreign Judgment विदेशी निर्णय | |

(11) Legal representative
निश्चित प्रतिनिधि

(12) Mesne profit
अन्तःकालीन लाभ

(13) Movable property
जंगम संपत्ति

(14) Order (आदेश)

(15) Pleader (प्लीडर)

16) Prescribed (विहित)

17) Public officer लोक
अधिकारी

18) Rules नियम

19) Share-in-corporation
निगम अंश

(20) Signed हस्ताक्षरित



**UMMEED
CLASSES**

THANKING YOU

FOR

WATCHING

UMMEED CLASSES



9269100222



UMMEED CLASSES



UMMEED_CLASSESOOI



**UMMEED
CLASSES**

